अनेकार्थ और नाममाला।

अर्थात्

प्राचीन कवि नन्ददास जी कृत दोहा कोष जिसमें
उक्त कविजी ने कोष के शब्दों के नाम और
अपनी रसीली कविता का अपूर्व चम-
त्कार साथही दिखाया है।

इस पुस्तक को बहुत शोध कर बाबू अमीर सिंह
की सम्मति से

बनारस

हरिप्रकाश यन्त्रालय में जगन्नाथ प्रसाद ने
तीसरी बार मुद्रित किया।

अथ अनेकार्थ।

श्रीगणेशाय नमः ।

दोहा । जोप्रभुजोतिजगतमय कारणकरनअभेव।
विघनहरनसबसुखकरन नमोनमोतादेव ॥ १ ॥
एकैवस्तुअनेकहै जगमगातजगधाम।
जिमिकञ्चनकेकिंकिनी कङ्कनकुण्डलनाम ॥ २ ॥
उचरिसकतनहिंसंस्कृत समुभनकोअसमर्थ ।
तिनलगिनन्दसुमतिजथा भाषाकियोसुअर्थ ॥ ३ ॥
शब्दएकनानाअरथ मोतिनकैसोदाम।
जोनरकरिहैंकण्ठसो ह्वैहैंकविकेधाम ॥ ४ ॥
गो शब्द । गोइन्द्रीदिववाकजल स्वर्गसुदृष्टअनिन्द ।
गोभूमीगोतीरगो किरनबज्रगोविन्द ॥ ५ ॥
सुरभी शब्द । सुरभीचन्दनसुरभिमृग सुरभीबज्ररवसन्त ।
सुरभीचंपकवनकहै जोजगकर्ताकन्त ॥ ६ ॥
मधु श० । मधुबसन्तमधुचैत्रद्रुम मधुमदिरामकरन्द।
मधुकरमधुपैमधुसुधा मधुसूदनगोविन्द ॥ ७ ॥
कलि श० । कलिकलेसकलिसुरमा कलिनिषंगसंग्राम ।
कलिकलियुगयहऔरनहिं केवलकेशवनाम ॥ ८ ॥
आत्मा श० । मनबुधिचित्तस्वभावतन धर्मजीवअहँकार ।
इनकोकहियेआतमा परमात्माअधार ॥ ९ ॥

अर्जुन श० । अर्जुनद्रुमअर्जुनधवल सहसार्जुनतत्थ ।
अर्जुनबङ्कयोपाडुसुत हरिखेलनजेहिंसत्थ ॥ १० ॥
धनञ्जय श० । अग्निधनञ्जयकहतकवि पवनधनञ्जयआहि ।
अर्जुनबङ्करिधनञ्जय कृष्णसारथीजाहि ॥ ११ ॥
पत्र श० । पत्रशरकह्योपत्ररथ पत्रवाहिनीचित्त ।
पत्रपर्णविधिनादिये जिनउड़मिलतेमित्त ॥ १२ ॥
पत्री श० । पत्रीतरुपत्रीकमल पत्रीबङ्करिविहंग ।
पत्रीसरकरचित्रजिमि इनसेवङ्कश्रीरंग ॥ १३ ॥
बरही श० । बरहीद्रुमबरहीअगिन बरहीकुरकुटनाम ।
बरहीमोरकिशोरके चन्द्रधरेसिरस्याम ॥ १४ ॥
धाम श० । धामतेजऔधामतन धामकिरनगृहधाम ।
धामजोतजोब्रह्महै धनीभूतहरिस्याम ॥ १५ ॥
काम श० । कामभोगअभिलाषपुनि मन्मथकहियेकाम ।
कामकाजजनिभूलिभ्रम भजलेमनअभिराम ॥ १६ ॥
बाम श० । बामकुटिलऔबामशिव बामकामतनबाम ।
बाममनोहरकोकहत जैसेमोहनश्याम ॥ १७ ॥
भव श० । भवशङ्करसंसारभव भवकहियेकल्यान ।
भवसुन्दरजसजगतफल जबभजियेभगवान ॥ १८ ॥
कं श० । कंसुखकंजलकंअनल कंशिरकंपुनिकाम ।
कंकंचनतेप्रीतितजि सदाकहोहरिनाम ॥ १९ ॥
कल्प श० । कल्पकुशलओदिवसजो कल्पसमर्थजुहोय ।
कल्पकटकतजिहरिभजो कल्पवृक्षसमसोय ॥ २० ॥
कर श० । करगजसुण्डसुहस्तकर करजुकिरणकरदान ।
करविषजैसेतजिविषय भजिहरिअमीनिधान ॥ २१ ॥

हर श०। हरजुकहतकविशङ्कको हरईषतकोनाम।
हरडरतेंराखोकुंअर मोहनगिरधरश्याम ॥ २२ ॥
बर श०। बरसुन्दरसंसारबर बरजुदेवतादेत।
बरकुंकुमबरकृष्णपुनि बरतियहियहरिलेत ॥ २३ ॥
वृष श०। वृषसुरपतिवृषकरणपुनि वृषजुवृषभवृषकाम।
वृषसुधर्मकरिहरिभजो जौचाहोसुखधाम ॥ २४ ॥
पतङ्ग श०। तरनिपतङ्गपतङ्गखग पावकवङ्करिपतङ्ग।
सबजगरङ्गपतङ्गको हरिएकैनवरङ्ग ॥ २५ ॥
दल श०। दलकहियेनृपकोकटक दलपत्रनकोनाम।
दलबरहीकेचन्द्रशिर धरेश्यामअभिराम ॥ २६ ॥
पल श०। पलकोमासकहतकवी पलउन्मानहिसोय।
पलजुपलकहरिबिचपरे गोपिनजुगशतहोय ॥ २७ ॥
बल श०। बलवीरजधीरजधरम बलनृपहलकोनाम।
बलसाहसबलदैत्यपुनि बलकहियेबलराम ॥ २८ ॥
अल श०। अलअलमर्थसमर्थअल अलपूरनकोनाम।
अलअभरनअलअलसतजि भजोमनोहरश्याम ॥ २९ ॥
वयस श०। वयसविहंगमकोकहत वयसकहियपुनिकाल।
वयसजुयौवनजातहै भजलेमदनगोपाल ॥ ३० ॥
जीव श०। जीववृहस्पतिकोकहत जीवकहावेचन्द।
जीवआत्मानितजिये जगजीवननँदनन्द ॥ ३१ ॥
मार श०। मारविघ्नविषमारपुनि मारकहावैकाम।
मारअमृतहूंतेअमृत सुन्दरगिरिधरनाम ॥ ३२ ॥
सार श०। सारबीजधीरजधरम सारवज्रधृतसार।
सारजुसबकोसांवरो जिनमोह्योसंसार ॥ ३३ ॥

कलभ श०। कलभकहतकविसाधको कलभबकरिभाल।
कलभकलुषकलिक्लेशतें काढ़कदीनदयाल ॥ ३४ ॥
नभ श०। नभआश्रयनभभाद्रपद नभश्रावणकोमास।
नभअकासनभनिकटही घटघटरमानिवास ॥ ३५ ॥
वसु श०। अष्टमवसुहैवन्हिवसु वसुधरजवसुनीर।
वसुधनजगमेंसोधनी धनजाकेबलबीर ॥ ३६ ॥
पटु श०। पटुतीक्ष्णपटुबज्रकहि पटुआरोग्यकहन्त।
पटुप्रबीनसोईजगत भजेजोरूकमनिकन्त ॥ ३७ ॥
तुरंग कुरंग श०। गगनतुरंगतुरंगमन बकरितुरंगतुरंग।
हरिनकुरंगकुरंगसो रँग्योनहरिहरिरंग ॥ ३८ ॥
आत्मज श०। आत्मजकहियेरुधिरअँग आत्मजकहियेकाम।
आत्मजपूतसपूतहै भजेजोसुन्दरश्याम ॥ ३९ ॥
कबन्ध श०। बिनसिरकहतकबन्धसो कहकबन्धपुनिनीर।
राक्षसराजकबन्धसो गतिदीन्हीबलबीर ॥ ४० ॥
हंस श०। हंसतुरंगमहंसरवि हंसमरालसुछन्द।
हंसजीवकोकहतकवि परमहंसगोविन्द ॥ ४१ ॥
पयोधर भूधर श०। मेघअर्ककुचशैलद्रुम राजपयोधरआहि।
भूधरगिरिभूधरन्हपति भूधरआदिवराह ॥ ४२ ॥
बाण श०। बाणकहावेबलितनय विशिषआहिपुनिबाण।
बाणकहतकविस्वर्गको श्रीहरिपदनिर्वाण ॥ ४३ ॥
बरुन श०। बरुनकहतपतिनीरके बरुनश्यामकोनाम।
बरुनहरेजबनंदतद कैसेधायेश्याम ॥ ४४ ॥
गोत्र श०। गोत्रनामकोकहतकवि गोत्रसैलसुनियंत।
गोत्रबंधुसोंधनजहां विद्यायुतगिनियंत ॥ ४५ ॥

तन श० । तनशरीरविस्तारतन तनहुतमतननतान ।
ननविरकोकोउजगत सुनैजुहरिहरबात ॥ ४६ ॥
बाल श० । बालसिरोरुहबालसिसु मूककहावेबाल ।
बालसोईहैंजगतमें भजेसोबालगोपाल ॥ ४७ ॥
जाल श० । जालझरोखाजालगन जालदंभश्रौमंद ।
जालफांसविद्याजगत निरखिननतजिनँदनंद ॥ ४८ ॥
काल श० । कालअसितवोकालवय धर्मराजपुनिकाल ।
कालव्यालकेकालहरि मोहनमदनगोपाल ॥ ४९ ॥
ताल श० । तालतालहरितालपुनि दोइकरसोकरताल ।
तालवृक्षफलखायकर हतोदनुजनँदलाल ॥ ५० ॥
व्याल श० । व्यालकहतहैंकूरनर दुष्टस्वपदगजव्याल ।
व्यालसर्पसिरपरचढ़त चेतकुवरनँदलाल ॥ ५१ ॥
जलज श० । जलजमीनमोतीजलज जलजशंखअरुचन्द ।
जलजकमलजिमिफिरतपुनि ब्रजआवतनँदनन्द ॥ ५२ ॥
तम श० । तमतामसपुनिराहुतम तमजतिमिरतमक्रोध ।
तमअज्ञानकोहरकुहरि उरधरिदीपप्रबोध ॥ ५३ ॥
गुन श० । गुनराजतगुनसत्त्वपुनि गुनकमानकीजेह ।
गुनचरित्रगोविन्दके गावहुउरधरिनेह ॥ ५४ ॥
अवि श० । अवीशैलअविमेषपुनि अविसविताकोनाम ।
अविरक्षकसबजगतको एकहिसुंदरश्याम ॥ ४५ ॥
बन श० । बनपानीकोकहतकवि बनवारिदकोजाल ।
बनकाननतेसुरभिसँग बनआवतनँदलाल ॥ ५६ ॥
घन श० । घनदृढ़घनविस्तारपुनि घनजिहिंगढ़तलोहार ।
घनअंबुदघनसघनघन घनरुचिनन्दकुमार ॥ ५७ ॥

बरन श० । बरनस्तुतिआखरबरन बरनद्विजादिकचार ।
बरनअसनसितपीतहै अबरननंदकुमार ॥ ५८ ॥
पोत श० । पोतकह्यावैनिपटशिशु पोतजुवस्त्रअनूप ।
पोतनावजिमिजलधिमधि श्यामनामसुखरूप ॥ ५९ ॥
बुध श० । बुधपण्डितकोकहतहैं बुधशशिसुतहिबखान ।
बुधहरिकोअवतारइक बोधमयोजिहिंज्ञान ॥ ६० ॥
अनन्त श० । गगनअनन्तहिकहतबुध बहुरिअनन्तअनेक ।
शेषअनन्तकहतकवी हरिअनंतअरूएक ॥ ६१ ॥
क्षय श० । क्षयनिवासकोकहतकवि क्षयकहियेक्षयरोग ।
क्षयपरलयमधहरिविषै लीनहोतसबलोग ॥ ६२ ॥
राजीव श० । राजिवशशिराजिवअनिल राजिवमुक्तामीन ।
राजिवनाभिगोविंदकी होइरहियेमनलीन ॥ ६३ ॥
लोक श० । लोकव्याकरनलोकजन लोकदेहरसमूल ।
तीनलोकसुतउदरमें रहीजसोमतभूल ॥ ६४ ॥
शुक श० । शुकनिश्वरअरुशुकगन शुकसुजेठकोमास ।
शुकजुअजह्नंबावनहिंप्रति पलपलभरतउसास ॥ ६५ ॥
खग श० । खगरविखगससिखगपवन खगअंबुदखगदेव ।
खगविहंगहरिसुतरूतजि खगउरसेबलसेव ॥ ६६ ॥
कलाप श० । गुनकलापढंनीरकहि अभरनआहिकलाप ।
बरहीवृन्दकलापपुनि हरिहरिभजनकलाप ॥ ६७ ॥
ब्रह्म श० । ब्रह्मब्रह्मकुलब्रह्मविधि ब्रह्मवेदओजीय ।
ब्रह्मनन्दकेसदनमें ताहिनचावतितीय ॥ ६८ ॥
उडु उडुप श० । उडुविहंगउडुनखतगन उडुकैवर्तकआहि ।
उडुपचन्द्रनौकाउडुप उडुपगरुड़बड़आहि ॥ ६९ ॥

मन्द प्र० । मन्दसनीचरमन्दखल मन्दअल्पअघमन्द ।
मन्दमूढ़नरतजुजगत जेनभजहिंनँदनन्द ॥ ७० ॥
बारन प्र० । बारनकहियेबरजिबो बारनद्वारसनाह ।
बारनगजहरिउरधर्यो आनग्रस्योजबग्राह ॥ ७१ ॥
स्यन्दन प्र० । स्यन्दनजलकहँकहतकवि स्यन्दनचित्रतुरंग ।
स्यन्दनरथचढ़िरुक्मिनी लैआयेश्रीरंग ॥ ७२ ॥
मंथी प्र० । मंथीससिमंथीमदन मंथीग्रामप्रचण्ड ।
मंथीबक्ररोराहुहै जोहरिकरबिचखण्ड ॥ ७३ ॥
कौसिक प्र० । कौसिकगुग्गुलदण्डपुनि कौसिकघूघूनाम ।
कौसिकविश्वामित्रहैं जिनजाचेश्रीराम ॥ ७४ ॥
पुष्कर प्र० । पुष्करजलपुष्करगगन पुष्करशुंडगयंद ।
पुष्करतीरथपापहर पुष्करनामगोविंद ॥ ७५ ॥
अंबर प्र० । अंबरअमृतकोकहत अंबरगगनसुभाइ ।
अंबरपीतजुश्यामतन रहीजुतड़ितलजाइ ॥ ७६ ॥
संबर प्र० । संबरजलसंबरअसुर संबरसैलअनूप ।
संबरबांधहुगाढ़गहि कृष्णनामसुखरूप ॥ ७७ ॥
कंबल प्र० । कंबलजलपरवाहपुनि कंबलगुग्गलचाम ।
कंबलबक्ररोऊनहै कंबलमंगलनाम ॥ ७८ ॥
नग प्र० । नगकहियतुद्रुमनगरतन नगकहियतपुनिधाम ।
नगजिहिगिरतेंकान्हको भयोसुनगधरनाम ॥ ७९ ॥
नाग प्र० । नागपत्रऔनागगज नागदुष्टनरवाम ।
नागसर्पसंसारको सिद्धमंत्रहरिनाम ॥ ८० ॥
करन प्र० । करनकहावेरवितनय करनकहतपुनिकान ।
करननावजिहिखेइये करनहारभगवान ॥ ८१ ॥

द्विज श० । द्विजपंछीकोकहतकवि द्विजकहियेपुनिदन्त ।
तीनबरनतेंद्विजबड़ो अबजानेभगवन्त ॥ ८२ ॥
अज श० । अजबकराअजपितामह अजकहियेपुनिईस ।
अजजीवनभरनरकहत अजएकैजगदीस ॥ ८३ ॥
सिव श० । सिवसुखसिवकल्यानपुनि श्रेष्टपुरुषसिवसोय ।
शिवशंकरअरुशिवसलिल कृष्णसदाशिवहोय ॥ ८४ ॥
बिरोचन श० । ब्रह्माबिरोचनसुरजपुनि चन्द्रबिरोचनगात ।
हृदयबिरोचनधन्यसो जाकेबलसोतात ॥ ८५ ॥
बलि श० । बलिहरिपूजाअसुरकहि बलिभोजनबलिभाग ।
बलिराजाबलिलच्छमी जाहियतरअनुराग ॥ ८६ ॥
बृक श० । बृकजाबकसोकहतकवि बृकभिड़राकोनाम ।
बृकदानवदलदेवशिव राखेसुन्दरस्याम ॥ ८७ ॥
रज श० । रजराजसआकाशरज रजयुवतीमेंहोय ।
रजधूलीरजपापकहि रजजलनिरमलधोय ॥ ८८ ॥
कुस श० । कुससीतासुतदर्भकुस कुसकहियेपुनिनीर ।
कुसदानवदलक्कारकर तहांबसेबलबीर ॥ ८९ ॥
कंबु भुवन श० । कंबुसंखऔकंबुगज कंबुइष्टकोनाम ।
भवनगगनऔभुवनजल त्रिभुवननायकस्याम ॥ ९० ॥
कूट श० । कूटबक्रतअरुकूटगिरि अहिनरकूटकहन्त ।
कूटकपटकहँनिपटतज भजलेमनभगवन्त ॥ ९१ ॥
खर श० । खरराक्षसखरस्वानखर खरतीक्षनकोनाम ।
खरगरदभजगमैंसोई जेनभजेहरिनाम ॥ ९२ ॥
कुज जम श० । कुजमंगलकुजभद्रद्रुम कुजभौमासुरनाम ।
जमजगजमजमराजतें राखहुसुन्दरस्याम ॥ ९३ ॥

हरिनी ग्र० । हरिनीप्रतिमाहेमकी हरिनीमृगकीतीय ।
हरिनीजुवतीबाजकी फूलमालहरहोय ॥ ९४ ॥
धात्री ग्र० । धात्रीकहियेआँवरो धात्रीधायबखान ।
धात्रीधरनीसेससिर सोहैतिलपरमान ॥ ९५ ॥
सिवा ग्र० । सिवाशंभुकीसुन्दरी सिवास्यामकीबाम ।
सिवाहरीजिमिरोगहर इमअघहरहरनाम ॥ ९६ ॥
रसना ग्र० । रसनाकांचीकहतकवि रसनाबङरोदाम ।
रसनाजिह्वातासुकी जोभजलेहरिनाम ॥ ९७ ॥
रंभा ग्र० । रंभाकहियेअपसरा रंभाकदलीनाम ।
रंभागोकुलकीबधू जिनमोहेघनस्याम ॥ ९८ ॥
माया ग्र० । मायाछलमायादया मायानेहकहन्त ।
मायामोहनलालकी जिनमोहेसबसन्त ॥ ९९ ॥
इला ग्र० । इलामहीबुधतीइला इलाउमाअभिराम ।
इलासरस्वतिसेभजे जोजानेअभिराम ॥ १०० ॥
जोति ग्र० । जोतिनखतगनजोतिदुख जोतिनेत्रअरुआग ।
जोतिब्रह्मजोथिररहे रहबजगतजिहिलाग ॥ १०१ ॥
सुमना ग्र० । सुमनाकहियेमालती सुमनामुदितातीय ।
सुमनारतिसोइकान्हसों करलेलंपटजीय ॥ १०२ ॥
इड़ा ग्र० । ईड़ाअहिनभदेवता इड़ाभूमिअभिराम ।
इड़ाअंबिकामातमोहि प्रीतिदेहिघनस्याम ॥ १०३ ॥
अजा निशा ग्र० । अजाछागमायाअजा जिमिमोहेअजवाम ।
निशाजामिनीकहतकवि निसाहरिद्रानाम ॥ १०४ ॥
बिधि ग्र० । बिधीकालबिधिदेवता बिधिकहियेजुबिधान ।
बिधिकीबिधिजोहरिरची सोईबिधिपरमान ॥ १०५ ॥

जृम्भ श०। जृम्भअलसकरबलितनर जृम्भकहावेमूढ़।
जृम्भकपटतजिहरिभजो घटघटपरगटगूढ़ ॥ १०६ ॥
हस्त श०। हस्तकहतगजसुण्डसों हस्तनक्षत्रसुभाइ।
हस्तहाथतेंडारिये हरिहीरातनपाइ ॥ १०७ ॥
कृतान्त श०। आगमशास्त्रकृतान्तसब पुनिसिद्धान्तकृतान्त।
जमकृतान्तकेत्रासतें राखक्रकमलाकान्त ॥ १०८ ॥
मित्र श०। मित्रभानुकोकहतकवि मित्रअग्निकोनाम।
मित्रमित्रसबजगतके एकैसुन्दरश्याम ॥ १०९ ॥
सारंग श०। पिकचामरकचसंखकुच करबाइसग्रहहोय।
खंजनकंजलखातमद कामबिसनहैसोय ॥ ११० ॥
छितीतलावभुजंगपुनि कोवड़मानसमान।
सारंगश्रीभगवानको भजियेआठौजाम ॥ १११ ॥
सारंगसुन्दरकोकहत रातदिवसबड़भाग।
खगपानीअरुधनकहिय अंबरअबलाराग ॥ ११२ ॥
रविससिदीपकगगनहरि केहरिकुंजकुरंग।
चात्रिकदादुरदीपहल येकहियेसारंग ॥ ११३ ॥
हरि श०। इन्द्रचन्द्रअरविन्दअलि कपिकेहरिआनन्द।
कंचनकामकुरंगबस धनुषदण्डनभचन्द ॥ ११४ ॥
पानीपावकपवनपथ गिरिगजनागनरिंद।
जेहरिइनकेमुकुटमनि हरिईश्वरगोविंद ॥ ११५ ॥
ध्रुव श०। ध्रुवनिसिचरध्रुवजोगपुनि ध्रुवध्रुवपदध्रुवताल।
ध्रुवतारेतिहिअटलगुन गुनगोबिन्दगोपाल ॥ ११६ ॥
सुमनस। सुमनससुरसुमनसपुहुप सुमनसबक्तुरिबसन्त।
सुमनसजेहिमनमेंबसहि सेसबकमलाकन्त ॥ ११७ ॥

बिटप ग्र० । बिटपअरगपल्लवबिटप बिटपकहतबिस्तार ।
बिटपवृक्षक्रीडारगहि ठाढ़ेनन्दकुमार ॥ ११८ ॥
दान ग्र० । दानद्विजनकोदेतसो गजमदकहियेदान ।
दानसांवरेलेतबन गोपीप्रेमनिधान ॥ ११९ ॥
रस ग्र० । रसनवरसघृतरसग्रमृत रसविषयाग्ररुनीर ।
रसवरकोरसप्रेमरस जाकेरसबलबीर ॥ १२० ॥
सनेह ग्र० । तेलसनेहसनेहघृत बढ़रोप्रेमसनेह ।
सोनिजचरननगिरधरन नन्ददासकहँदेह ॥ १२१ ॥
गौरी ग्र० । गौरीहैग्रंबासुता गौरीहरिदीहोइ ।
गौरीगिरिजासुन्दरी शिवग्रर्धंङ्गीसोइ ॥ १२२ ॥
स्यामा ग्र० । स्यामातियजोरजबिना स्यामारजनीहोइ ।
स्यामाकहियेप्रीतिकौं करोस्यामसोंसोइ ॥ १२३ ॥
हरिद्रा ग्र० । कहियहरिद्राबनथली सीसाहरिद्राहोय ।
मंगलबढ़रिहरिद्रा हरदहरिद्रासोय ॥ १२४ ॥
बारुनी ग्र० । गजगतिकहियेबारुनी सुराबारुनीनाम ।
पश्चिमदिसिहैबारुनी बरुणबसहिंतेहिठाम ॥ १२५ ॥
सुधा ग्र० । सुधादूधबिजुरीसुधा सुधाबलीनिजधाम ।
सुधावधूपुत्रीसुधा सुधाग्रमृतकोनाम ॥ १२६ ॥
सुभा ग्र० । सुभासुधासोभासुभा सुभासिद्धपरनारि ।
बढ़रोसुभाहरीतकी हरिपदकोरजधारि ॥ १२७ ॥
कनक ग्र० । राजतवृषजुरहैसदा बढ़रोकनकखजूर ।
कनकधतूरेसोकहत कनकस्वर्णसुखमूर ॥ १२८ ॥
तात केतकी ग्र० । तातपिताग्ररुभ्रातकहि तातपुत्रकहँजान ।
फूलचन्द्ररवकामरस पंचकेतकीनाम ॥ १२९ ॥

सीता ग्र० । सीतानिधिसीताछमा सीतागंगाहोय ।
सीतासियऔदेवता जेहिजाचेसबकोय ॥ १३० ॥
छुद्रा ग्र० । छुद्राविश्याकहिनटी मधुमाखीऔलाख ।
इनकोछुद्राकहतहैं मूरखनरऔदाख ॥ १३१ ॥
बला ग्र० । बलामयनधरनीबला बलाऔषधीहोय ।
बलाचंचलालछमी जिहिजाचेसबकोय ॥ १३२ ॥
चक्र ग्र० । चक्रबरनरथचक्रगन चक्रबिहंगबिसेस ।
चक्रसुदर्शनकृष्णको चक्रनृपतिकोदेस ॥ १३३ ॥
पुण्डरीक ग्र० । पुण्डरीकसायककहत पुण्डरीकआकास ।
पुण्डरीकहरिकमलजहँ तहांकमलकोबास ॥ १३४ ॥
परिघ ग्र० । परिघवज्रपरबतपरिघ अरसरसर्वविसेष ।
परिघबानजलथलनदी परिघहरससिसेष ॥ १३५ ॥
नेत्र ग्र० । नेत्रनयनऔनेत्रपटु मृगमदनेत्रकहन्त ।
नेत्रध्यानजबजगमगे तबकहियेभगवन्त ॥ १३६ ॥
पंथी ग्र० । पंथीहरिनीकोंकहत पंथीमायाजीव ।
पंथीबक्रूरोईश्वरी जिहिसबकिनबसकीव ॥ १३७ ॥
कच ग्र० । कचब्रह्माकहपवनधन कचकहियेपुनिधाम ।
कचकिनमेंनरऊपजे भजैनसुन्दरस्याम ॥ १३८ ॥
हार ग्र० । हारकुसुममोतियानको हारक्षेत्रविस्तार ।
हारबिरहकाननकहें रजतउमायाहार ॥ १३९ ॥
अहि ग्र० । अहिवासरअहिरुधिरपुनि अहिएकदानवनाम ।
अहिभुजङ्गजमुनापयो सोनाथ्योघनस्याम ॥ १४० ॥
तन्त ग्र० । तन्तनारऔतन्तसुख सिद्धऔषधीतन्त ।
तन्तकहतसन्तानकहँ हरिरसजानकृतन्त ॥ १४१ ॥

छिन ग्र०। छिनउत्सवअरुनेमछिन छिनजुमुहूर्तकहन्त।
छिनयहसमयनपाइये भजलेमनभगवन्त ॥ १४२ ॥
काष्ट ग्र०। काष्टकालयाबिसखई काष्टअमरपुरकाष्ट।
काष्टजुबक्रविसुन्धरा बुद्धिहीननरकाष्ट ॥ १४३ ॥
पलास ग्र०। हरितजुबनपलासकहि रक्षकबक्रपिलास।
दुर्मदसैलपलासकहि बक्रोकठिनपलास ॥ १४४ ॥
सित ग्र०। सितरूपौसितज्ञानपुनि सितसक्तनहिकहन्त।
सितनीचनसितसुक्रपुनि सितउज्वलभगवन्त ॥ १४५ ॥
गुरु ग्र०। गुरुन्टपगुरुमातापिता गुरुप्रोहितगुरुछंद।
अक्षगुरुदीरघगुरुकहें सबकेगुरुगोबिंद ॥ १४६ ॥
नन्दन ग्र०। नन्दनचन्दनकोकहत नन्दनबनघनदात।
नन्दनकहियेपुत्रकहँ जेहिहरषेपितुमत ॥ १४७ ॥
अवतंस ग्र०। भ्रातपुत्रअवतंसकहि अलअवतंससुजान।
सोरहबरसीवयसको अभिनवकंतसुमान ॥ १४८ ॥
कुंतल ग्र०। हलधारकुंतलकहत कुंतलकपटीवेस।
खण्डपानकुंतलकहें कुंतलबक्रोकेस ॥ १४९ ॥
कोन द्रोन। कोनमहीअरुकोनदिस गृहअन्तरकहिकोन।
द्रोनकाकअरुद्रोनगिरि करकहिवारिजद्रोन ॥ १५० ॥
कातर ग्र०। कातरकाननकोकहत कातरकहियेहार।
कातरकहिदुरभिक्षपुनि अस्तनकरीबिचार ॥ १५१ ॥
कुथ ग्र०। कुथसुकथाकुथकीटपुनि कुथकरिकमलनिसोइ।
प्रातखाइविप्रकुथ कमलकलीविधहोइ ॥ १५२ ॥
कुन्त ग्र०। कुन्तसलिलऔकुन्तसह कुन्तअनिलवसुकाल।
कुन्तकमलपुनिकुन्तसुख कुन्तसुरंगकराल ॥ १५३ ॥

दोहा। अनेकार्थकीमंजरी पढ़ैसुनैनरकोय।
अर्थभेदजानैसबै पुनिपरमारथहोय ॥१५४॥

इति अनेकार्थ संपूर्णम् ॥

अथ नाममाला।

श्रीगणेशाय नमः।

दोहा। तन्नमामिपदपरमगुरु कृष्णकमलदलनैन।
जगकारणकरुणार्णव गोकुलजाकोऐन ॥ १ ॥
उचरसकतनहिंसंस्कृत जान्योचाहतनाम।
तिनहितनन्दसुमतियथा रचतनामकीदाम ॥ २ ॥
ग्रंथनिनानानामको अमरकोषकेभाय।
मानवतीकेमानपर मिलेअर्थसबआय ॥ ३ ॥
हृदयनाम। उरवक्षपुनिवक्षकहि पियहियलखिनिजकाय।
यातेंबढ्योजोमानहित आनतियाकेभाय ॥ ४ ॥
मान नाम। अहंकारमददर्पपुनि गर्वसमयअभिमान।
मानराधिकाकुंवरिको सबकोकरकल्यान ॥ ५ ॥
सखी नाम। वयसासाध्वीसुमुखिसखि हितूसहचरीआहि।
अलीकुंवरिवृषभानकी चलीमनावनताहि ॥ ६ ॥
बुद्धि नाम। बुद्धिमनीषाप्रज्ञासुधी मेधाधिषनाधीय।
मतिसौंमतोकरतचली भलीविलक्षणतीय ॥ ७ ॥
सरस्वती नाम। वाणीवाकसरस्वती गिराशारदानाम।
चलीमनावनभारती वचनचातुरीकाम ॥ ८ ॥
शीघ्र नाम। आशुझटितिद्रुततूर्णलघु क्षिप्रसत्वरउत्ताल।
तुरतचलीचातुरअली आतुरलखिनँदलाल ॥ ९ ॥

धाम नाम। सदनसद्मआरामगृह गेहवेश्मसंकेत।
क्षैमधिष्टपदआस्पद आलयनिलयनिकेत ॥ १० ॥
मन्दिरमण्डपआयतन बसतिहरम्यस्थान।
भवनभूपवृषभानके गईसहचरीजान ॥ ११ ॥
सुवर्ण नाम। कंचनअर्जुनकान्तिसुर चामीकरतपनीय।
अष्टापदहाटकपुरट महारजतरमणीय ॥ १२ ॥
सोनेहीकेसदनसब मानिकगचसजदेत।
जहांतहांनरनारिसब भकांईभकुकिभकुकिलेत ॥ १३ ॥
रूपा नाम। रुक्मरजतदुर्दानलघु जातरूपखर्जूर।
रूपेकेगोशालतहँ भूपभवनतेंदूर ॥ १४ ॥
उज्वल नाम। शुक्लशुभ्रपाण्डुरविशद अर्जुनसितअवदात।
धवलनवलऊंचेअटा करतछटासोंबात ॥ १५ ॥
शोभा नाम। भाआभाशोभाप्रभा सुखमापरमाकान्ति।
छविद्युतिअतिलखियतजहां सुरनहोतमनभ्रान्ति ॥१६॥
किरण नाम। अंशुगभस्तमयूषकर गोमरीचिवसुज्योति।
रश्मिपरसिशशिसूरकी जगमगजगमगहोति ॥ १७ ॥
मयूर नाम। नीलकंठकेकीबरहि शिखीशिखण्डीहोय।
शिवसतबाहनअहिभषी मोरकलापीसोय ॥ १८ ॥
नटतमयूरअटनचढे अतिहिभरेआनन्द।
निसदिनउनएरहतहैं नवनीरदनँदनन्द ॥ १९ ॥
सिंह नाम। पुण्डरीकहरिपंचमुख कंठीरवमृगराय।
सिंहपौरवृषभानकी सहचरिपङ्कचीजाय ॥ २० ॥
अश्व नाम। बाजीबाहतुरंगहय सैंधवअश्वगंधर्व।
तरलतुरंगमजहँबँधें हयशालावेसर्व ॥ २१ ॥

हस्ती नाम। हस्तीदन्तोद्विरदद्विप पद्मीवारणव्याल।
इभकुंभीकुञ्जरकरी स्तंभेरमसुण्डाल ॥ २२ ॥
सिंधुरमदवरनागकपि गजसावजमातङ्ग।
हरिगयन्दअरु मनखरे रञ्जितनानारङ्ग ॥ २३ ॥
सिद्धि नाम। अणिमामहिमागरिमा लघिमाप्राप्तिप्रकाम।
वशीकरणअरुईशिता अष्टसिद्धिकेनाम ॥ २४ ॥
एकङ्कसिद्धीवश्यकर तेहिसिधकहसंसार।
तेवृषभानभुआलकी द्वारबोहारनहार ॥ २५ ॥
नवनिधि नाम। महापद्मअरुपद्मपुनि कच्छपमकरमुकुन्द।
शङ्खखर्वअरुनीलये अपरकहावतनन्द ॥ २६ ॥
येनवनिधिजेजगतमें बिरलेकाहूदीख।
तेयावल्लभराजके परतभिखारीभीख ॥ २७ ॥
मुक्ति नाम। मुक्तिअमृतकैवल्यपद अपुनर्भवअपवर्ग।
निश्रेनीनिर्वाणसुख महासिद्धिपरस्वर्ग ॥ २८ ॥
मुक्तिजोचारप्रकारकी नहिंपैयतजपयोग।
तेवृषभानभुआलके पावतपामरलोग ॥ २९ ॥
राजा नाम। स्वामीअधिपतिप्रभुबड़े नरपतिक्षितपतिभूप।
बाकुजभूपतिनृपतिनृप श्रीवृषभानअनूप ॥ ३० ॥
इन्द्र नाम। शक्रशतक्रतुशचीपति संक्रन्दनपुरहूत।
कौशिकवासववृत्रहा मघवामातलिसूत ॥ ३१ ॥
सहस्राक्षवृद्धश्रवा तुराषाटसुरभूप।
सुनासीरपुनिदिवसपति लेखर्षभसुअनूप ॥ ३२ ॥
जिष्णुपुरन्दरवज्रधर आखण्डलरिपुपाक।
शोभितजहँवृषभानृप कोहैइन्द्रवराक ॥ ३३ ॥

देव नाम देवअमरनिर्जरविबुध सुरसुमनसत्रिदिवेश।
वृन्दारकसुविमानगति अग्निजिह्वअमृतेश ॥ ३४ ॥
दिविषद्लेखावह्निमुख गीर्वाणअनिमोप।
कौनदेवतारंकजहँ बनिबैठेसबगोप ॥ ३५ ॥
अमृत नाम। सोमसुधापीयूषमधु अगदकारसुरभोग।
अमीअमृतजहँहरिकथा मतेरहतसबलोग ॥ ३६ ॥
भृत्य नाम। विधिकरकिङ्करदासपुनि अनुचरअनगपदाति।
भृत्यफिरतजहँमयनसे कविबरनीनहिंजाति ॥ ३७ ॥
दासी नाम। भृत्यादासीकिङ्करी चेरीभरेजुअम्भ।
राजतिमणिमयअजिरमें कोउरवशिकोरम्भ ॥ ३८ ॥
अन्तःकरण नाम। स्वान्तहृदयमन्मथपिता अतमामानसनाउं।
चितमनसोचतसहचरी भीतरकैसेजाउं ॥ ३९ ॥
अञ्जन नाम। कज्जलजलपाटलमुखी नागदीपसुतसोय।
लोपांजनदृगदैचली ताहिनदेखैकोय ॥ ४० ॥
हीरा नाम। निःकंपादकवज्रपुनि हीरापदकजुऐन।
निष्कसकुचतियनिरखितन भूपभवनकविमैन ॥ ४१ ॥
मोती नाम। शशिमोतीमोतीगुलिक जलजसीपसुतनाम।
मुक्तावन्दनवारतहँ शोभितसन्दरधाम ॥ ४२ ॥
मनङ्ग नाम। कुजअङ्गारकभौमपुनि लोहिताङ्गमहिबाल।
मङ्गलसेठाढ़ेउदित धरेजोदीपकलाल ॥ ४३ ॥
शुक्र नाम। उशनाभार्गवकाव्यकवि असुरपुरोहितसोहि।
गजमुक्तनकेमालयह शुक्रधरेजनुपोहि ॥ ४४ ॥
लक्ष्मी नाम। श्रीपद्मापद्मालया कमलाचपलासोय।
सिंधुसुतामाइन्दिरा विष्णुवल्लभासोय ॥ ४५ ॥

जाकीनैनकटाक्षछवि रहीसकलजगछाय।
सोलक्ष्मीवृषभानगृह आपुहिंप्रगटीआय ॥ ४६ ॥
माता नाम। अंबासावित्रीप्रसू जननीमातानाम।
जननीराधाकुंवरिकी बैठीमङ्गलधाम ॥ ४७ ॥
नमस्कार नाम। वंदनअतिवंदनप्रणत नमस्कारकरिताहि।
लंबप्रणामकरनचली जहांकुंवरिबरआहि ॥ ४८ ॥
सीढ़ी नाम। आरोहणआरोहपुनि निःस्रेणीसोपान।
मणिमयसीढ़ीसखिचढ़ी लखीनकाहूआन ॥ ४९ ॥
शय्या नाम। कशिपुतल्पशय्याशयन संस्तरपुनिशयनीय।
दुग्धफेनसीसेजपर बैठीतियकमनीय ॥ ५० ॥
तकिया नाम। उपबर्हनउपधानपुनि कंदुकसोईहीय।
मृदुलउशीशोउठंगिकै बैठीतियरिसनीय ॥ ५१ ॥
बेटी नाम। पुत्रीदुहिताकन्यका तनयातनुजाहोय।
सुताजहांवृषभानकी तहांगईसखिसोय ॥ ५२ ॥
फूल नाम। कुसुमप्रसूनसमदसुमन पुष्पफलपितानाम।
फूलमंजरीगेंदकर खेलतछविसोंवाम ॥ ५३ ॥
बंसी नाम। बंसीकुम्भीमोनहा मच्छघातिनीनाम।
बेसरसोंउरभ्रीजुलट मानोबंसीकाम ॥ ५४ ॥
श्रवण नाम। श्रवणश्रोत्रश्रुतिशब्दगृह कर्णसोश्रवणगँभीर।
मनोविरूपसकमलकलि फूलीशशिमुखतीर ॥ ५५ ॥
केश नाम। अलकशिरोरुहचिकुरकच कुंचितकुटिलसुढार।
कुन्तलकवरिललाटजनु चन्दहिंगईदरार ॥ ५६ ॥
ललाट नाम। मस्तकअलिकललाटपर बैंदीबनीजराय।
मनोंभालतेभाग्यमणि प्रगटीबाहरआय ॥ ५७ ॥

नेत्र नाम। लोचनअंबकचखुदृग ईक्षणरूपअधीन।
कछुरिसरातेनैनजनु जावकभीनेमीन ॥ ५८ ॥
अधर नाम। वानिओष्ठपुनिरदनछद अधरमधुरएहिभाय।
नामलिखतजाकोतुरत किलककऊखछोड़जाय ॥ ५९ ॥
दशन नाम। रदनदशनद्विजदन्तरद मदनकरतरँगभीज।
जनुनवनीरदमध्यमें शीतलविद्युतबीज ॥ ६० ॥
ठोढ़ी नाम। चिबुकचारुमधनीलकन योंराजतछविऐन।
मनहुँरसीलेआमको मोहरखरमूँदेमैन ॥ ६१ ॥
बृहस्पति नाम। धिषणशिखंडीअंगिरा सुराचार्यगुरुजीव।
वाचस्पतिजनशशितरे बनीनिबोरीग्रीव ॥ ६२ ॥
मुख नाम। आननआस्यलपनवदन वक्त्रतुण्डछविभौन।
मनहुँरूपइमिछागई जिमिदरपनमुखपौन ॥ ६३ ॥
ग्रीवा नाम। गलकंधरग्रीवाबहुरि गलकपोलकोयान।
पीकलीकजहँझलमले सबछविकीनीआन ॥ ६४ ॥
हाथ नाम। पंचशाखकरहस्तशय पाणीधरेकपोल।
बरअरविन्दविछायजनु सोवतइन्दुअडोल ॥ ६५ ॥
उरोज नाम। कुचउरोजअरुपयोधर अस्तनउरछविऐन।
कंचनसंपुटदेवजनु पूजपुजाईमैन ॥ ६६ ॥
किंकिणी नाम। रसनाकांचीकिंकिणी क्षुद्रमेखलाजाल।
क्षुद्रावलिजनुमयनगृह बांधीबन्दनमाल ॥ ६७ ॥
नूपुर नाम। तुलाकोटिमंजीरपुनि नूपुरझलकतपाय।
झमकिउठीजनुमयनकी बीणासहजसुभाय ॥ ६८ ॥
अंबर नाम। चोलनिचोलदुकूलपट अंशुकवासाचीर।
पियतनवासजुवसनमें छिनछिनहोतअधीर ॥ ६९ ॥

कीर नाम। रक्तचंचुशुककीरपुनि सुपठनपढ़पियनाम।
भरु किन्नहरावतिसुमुखिसुनि अतिरूविपावतिबाम ॥७०॥

दर्पन नाम। प्रतिबिंबितआदर्शपुनि मुकुरस्वकरतियलेत।
पियमूरतिनैननिरखि फेरडारतेहिदेत ॥ ७१ ॥

वीणा नाम। तंत्रीवीणावल्लकी बहुरिविपंचीआहि।
यंत्रबजावतसहचरी बहुरोबरजतिताहि ॥ ७२ ॥

अंतरध्यान नाम। गुप्ततिरोहितअंतरित गूढ़रूदुरहबलोय।
लोचनमनऊंउल्लूकसखि देखीएहिबिधितोय ॥ ७३ ॥

पान नाम। नागबल्लिदलपानद्विज तामबूलसखिचाहि।
मोंहअमेठतिवितनजनु चापचढावतआहि ॥ ७४ ॥

समय नाम। सामयसमयअनेहअरु बेलाअनिमिषकाल।
बड़ीबेरलौंसखिनमें देखीबालरसाल ॥ ७५ ॥

पानी नाम। अंबूकमलकीलालजल पैपुष्करवनवारि।
अमृतअर्णजीवनभुवन घनरसअरूपापारि ॥ ७६ ॥
मेघपुष्पअँभसर्वमुख कंकबंधरसतोय।
उदकपाथसंभरसँवर सलिलआपअपसोय ॥ ७७ ॥
अपकअमयअरूबारपुनि पानीपुष्करहोय।
लिखेयथामतिनामये संख्याचौतिसजोय ॥ ७८ ॥
पानीनैनपखारिकै अंजनहाथोलीन।
प्रगटभईपियकीसखी निपटहुसंकितदीन ॥ ७९ ॥

भय नाम। साध्वसदरआतंकभय भीतभीरभीत्रास।
डरतसहचरीसकुचतें गईकुंवरिकेपास ॥ ८० ॥

चरण नाम। चरणचलनगतिमन्दपुनि अंघ्रिपादपदपाय।
पगवन्दनकरिसहचरी ठाढ़ीसन्मुखजाय ॥ ८१ ॥

हरिद्रा नाम। पीतागौराकांचनी रजनीपिण्डानाम।
हरदीचूनोपरतजिमि इमिदेखतगईबाम ॥ ८२ ॥
टेढ़ा नाम। बक्रअसितकुंचितकुटिल टेढ़ीभौंहनठौर।
अरुणकमलपरप्रातजनु पंखपसारेभौंर ॥ ८३ ॥
भौंर नाम। भ्रूतन्द्रीभृकुटीकुटिल भौंहसतरकरिभाल।
बहुतकालबीतेतनक बोलीबालरसाल ॥ ८४ ॥
क्रोध नाम। कोपक्रोधआमर्षतम रोषपापरितुहोय।
क्षोभभरीतियकोनिरखि डरीसखचरीसोय ॥ ८५ ॥
क्षेम नाम। क्षेमभद्रमंगलअनँद संशिवशिवकल्यान।
भवकितडोलतिकुशलकहु पूछतिकुंवरिसुजान ॥ ८६ ॥
संज्ञा नाम। संज्ञाआवैगोत्रपुनि क्षेमधामतुअनाम।
अमियवरसवरदरसते सबपरिपूरनकाम ॥ ८७ ॥
स्त्री नाम। इस्त्रीललनाश्रीमती दारावनिताबाम।
अबलाबालाअंगना प्रमदाकान्तानाम ॥ ८८ ॥
श्यामामहिलाभामिनी मत्तकाशिनीजान।
बामलोचनानारिपुनि योषितयोषामान ॥ ८९ ॥
तरुणीरमणीसुन्दरी तनऊरजपुनिसोय।
तियतोसीनिहुंलोकमें रचीविरंचिनकोय ॥ ९० ॥
तामस नाम। कामानुजआमर्षहठ क्रोधमन्युकधहोय।
क्षोभभरीतियकोनिरखि खिड़कीसखचरिसोय ॥ ९१ ॥
ब्रह्मा नाम। अजकमलजविधिजगपिता धातासिद्धितहोय।
स्रष्टाचतुराननधिषण भीषणसंभूसोय ॥ ९२ ॥
शतधृतिद्रहिणस्वयंभुपुनि बेधाब्रह्माजोय।
कविसुन्दरताजगतकी रचीसोबैयोखोय ॥ ९३ ॥

लैलैसवक्कविक्कविनकी जनद्दोतीजगमांभ्रू।
तोढ्विरचीविधिनिपुनता बक्करोंक्कैगयोबांभ्रू ॥ ९४ ॥
सुन्दर नाम। सुभगसुसमबंधुररुचिर कांतकामकमनीय।
रम्यसुपेसलभव्यश्ररु दर्शनीयरमणीय ॥ ९५ ॥
तैसोइसुन्दरवरकुंवर नागरनगधरपीय।
जोरीरचिविधिनिपुनता एकप्राननवीय ॥ ९६ ॥
युधिष्ठिर नाम। धर्मराजश्राजानरिपु कौंतेयकुरुराय।
नृपतियुधिष्ठिरसमप्रिया ते रेपीयस्वभाय ॥ ९७ ॥
श्रर्जुन नाम। जिष्णुधनंजयविजयरथ फाल्गुनकिरिटीहोय।
गुणाकेशगांडीवधर पार्थकपिध्वजसोय ॥ ९८ ॥
श्रर्जुनसोधनुधरश्रवधि तिह्विसमश्रौरनहोय।
इमितुमप्रेमश्रवधिसुविधि रचीविरंचिनकोय ॥ ९९ ॥
दीर्घश्वास नाम। पृथुलप्रानपरिणाहपृथु श्रायतभुजुविशाल।
प्रासुदीर्घश्वासाभरति केह्विकारणवलिबाल ॥ १०० ॥
गंगा नाम। विष्णुपदीनिर्जननदी मंदाकिनिहरिरूप।
सुरसरिसुरधुनिजान्हवी भागीरथीश्रनूप ॥ १०१ ॥
निगमनदीगंगावक्करि ध्रुवनन्दाश्रघहारि।
तिमितुश्रपियकीरतिसरित करपुनीतनरनारि ॥ १०२ ॥
सरीर नाम। कायकलेवरकुणपवपु देहश्रातमाश्रंग।
विग्रहउपधनसंग्रहन धामसरीरपतंग ॥ १०३ ॥
तुश्रतनसमसरिकरनलगि स्वर्गश्रगिनभ्रूपलेत।
कोमलसरससुगंधनहिं कोकविउपमादेत ॥ १०४ ॥
कमल नाम। पुण्डरीकपुष्करजलज श्रंजश्रब्जश्रंभोज।
पंकजसारसतामरस कुवलैकंजसरोज ॥ १०५ ॥

सतपत्रीऔसहसदल पद्मकुसेसयनाम।
पंकेरुहअरबिन्दमुख लखिमलीनतोहिबाम ॥ १०६ ॥
चन्द्रमा नाम इंदुकलानिधिसुधानिधि जैवात्रिकससिसोम।
अब्जअमीकरछपाकर विधुकहियतहिमरोम ॥ १०७ ॥
विधुसुधांसुसुभ्रांसुपुनि औषधीसनिसिनाथ।
रजनीकरनिसिकरससी कुमुदबंधुद्दरमाथ ॥ १०८ ॥
दुजराजाससधरउदधि तनयससांकमृगांक।
नछत्रेशकलंकधर तुवमुखउपमारांक ॥ १०९ ॥
बिकुरिचन्द्रिकाचन्द्रतजि रहिक्योंन्यारीहोय।
मैंअवलोकनबामतोहि कछुबलिकारनसोय ॥ ११० ॥
काम नाम। मदनमनोभवमनमथन पंचसरस्मरमार।
मीनकेतुकन्दर्पहरि व्यापकबिरहबिदार ॥ १११ ॥
पुष्पचापप्रद्युमनअतन मनसिजदारनकाम।
पतिसोरतिजिमिरूठरहि इमिदेखततोहिबाम ॥ ११२ ॥
मेघ नाम। धाराधरजलधरजलद जगजीवनजीमूत।
मुदिरबलाहकतड़ितपति पुरजनजग्यसुपूत ॥ ११३ ॥
घनबिकरोज्योंबीजुरी रहीअनलमनिहोय।
मैंतोहिदेखतभामिनी कछुबलिकारनसोय ॥ ११४ ॥
बिजुरी नाम। क्षनरुचिछटाअकासक्षत तड़ितदामिनीहोय।
चपलाबिनानघनबनै घनबिनबनैनसोय ॥ ११५ ॥
सैना नाम। कटकसुदलबलबाहनी चमूबरूथसुऐन।
सैनाबिनानन्रूपबनै न्रूपबिनुबनैनसैन ॥ ११६ ॥
भ्रमर नाम। मधुकरभ्रमरद्विरेफअलि बञ्चरसिलीमुखभृङ्ग।
चंचरीकरोलंबपुनि कीलालैसारंग ॥ ११७ ॥

मधुपमधुव्रतमधूरसिक मधुवावनबगञ्चोर।
भ्रमरबिनाछिनकेतकी केतकिबिनानभौंर ॥ ११८ ॥
पिय नाम। दयितकान्तअरुईसपुनि पियभर्त्तापतिहोय।
पियकोतोसीवल्लभा औरनदेखीकोय ॥ ११९ ॥
अमरलता नाम। अततीबिसतीवल्लरी विसुनीअतालतान।
अमरबेलिजिमिमूलबिन इमिदेखततुअमान ॥ १२० ॥
मित्र नाम। सुहृदमित्रवल्लभसखा प्रीतमपरमसुजान।
पियप्यारेपैचलियवलि नकरुअकारनमान ॥ १२१ ॥
पुत्र नाम। आत्मजसुअनअपत्यपुनि तनुजतनयकहितात।
नँदनन्दनगोविन्दसों नकरुगर्बकीबात ॥ १२२ ॥
नर नाम। मानुषपरमपवित्रवपु मानुषमनुजप्रमान।
नरजनिजानहुनन्दसुत हरिईश्वरभगवान ॥ १२३ ॥
जोगेश्वर नाम। सन्यासीवरव्याजअनि जटलीमुण्डीहोय।
दण्डजाहुभगवानभन निर्बानीपुनिसोय ॥ १२४ ॥
ऋषिभिक्षुकतापसजपी व्रतीतपीमुनिआहि।
जोगीजनमनबिमलकरि नितहोखोजततादि ॥ १२५ ॥
वेद नाम। ब्रह्मनिगमश्रुतिवेदपुनि धर्ममूलनिजकाम।
निगमअगमजाकोकहत सोइबलिसुन्दरश्याम ॥ १२६ ॥
सेष नाम। सेषमहाअहिसर्पपति धरनीधरनअनन्त।
सहसबदनकरिगुनगनत तदपिनपावतअन्त ॥ १२७ ॥
धर्मराज नाम। वैवस्वतपुनिमृत्युपति सबजीवनपतिहोय।
महिषध्वजनरदण्डधर कहतसूर्जसुतसोय ॥ १२८ ॥
अन्तककालकृतान्तजम धर्मराजकोपन्त।
तेतुअपियसुभनामसुनि थरथरथरकांपन्त ॥ १२९ ॥

कुबेर नाम। पुन्यजनेस्वरधनदजद पतिअलकावतिहोय।
गुह्यकपतिअंबकसखा राजराजपुनिसोय ॥ १३० ॥
नरवाहनकिन्नरअधिप द्रव्याधीसकुवेर।
हरिपदपंकजपरसिकै पावननाहिनबेर ॥ १३१ ॥
बरुन नाम। बसनप्रचेतापाँसुपति जलचरपतिजलईस।
तेतुअपियकेपगनतर नितउठिघसतजुसीस ॥ १३२ ॥
दुर्गा नाम। उमाअपर्नाईस्वरी गौरीगिरिजाहोय।
मृड़ाचण्डिकाअंबिका भवाभवानीसोय ॥ १३३ ॥
कालीहैमसुतावङ्करि सर्वमंगलानाम।
मायाजेहिआधारजग बिस्वकारनीबाम ॥ १३४ ॥
अजाशिवामैनासुता सिंहेस्वरिअतिकान्त।
तेतुअपियपरतापतें रचतविस्ववङ्भांत ॥ १३५ ॥
गनेश नाम। लंबोदरहेरंबपुनि द्वैमातुरइकदन्त।
मूषकवाहनगजबदन गनपतिसिवसुतसन्त ॥ १३६ ॥
कोटिविनायकजौलिखें महिसेकागदकोट।
तौपैतेरेपीयके गुनहिनआवैटोट ॥ १३७ ॥
धूर्त्त नाम। व्याजोजिन्हककुटिलशत छद्मीकहतकलोजु।
कपटोकान्हरकुंवरको केतिककहतिभलोजु ॥ १३८ ॥
कुरंग नाम। ऐनहरिनवातपप्रषद हरिसारंगसोआय।
मृगसिसुकैसेदैगली चलीथोरअनखाय ॥ १३९ ॥
पाप नाम। ऐनवृजिनदुःक्षतदुरित अंहमलीनसपंक।
किलविषकिलमिषकलुषअघ कलमषशमलकलंक १४०
पापहारिज्योंनीरकर रंचकजाकोनाम।
ताकोहठकपटीकहत कहाकहौंतोहिबाम ॥ १४१ ॥

पाषान नाम। ग्रावित्रश्मपत्थरउपल शिलपषानअतिभार।
पानीपरपाहनतरे जाकेनामअधार ॥ १४२ ॥
नौका नाम। उडुपपोतनौकापलव तरनिबहतिजलजान।
नामनावचढ़िभवउद्धि केतेतरेअजान ॥ १४३ ॥
रुधिर नाम। शोणितकोणपरक्तपुनि रुधिरअहकहतजात।
लोहूपीवतपूतना पूतभईछूगात ॥ १४४ ॥
राक्षस नाम। कौणपअस्रपपुन्यजन निषकपुत्रदुर्नाद।
कर्बुरअसुरनिसाचरहु जातुधानक्रव्याद ॥ १४५ ॥
अघसेराक्षसपातकी मैंदेखीगतिहोत।
उलटिसमानीपिण्डमैं परगटजाकीजोत ॥ १४६ ॥
धूरि नाम। धूरधूसरीखेहरज पांसुसंचरामन्द।
जापदपंकजरेनुको वांछतसनकसनन्द ॥ १४७ ॥
सूर्य नाम। देवदिवाकरविभाकर दिनकरभास्करहंस।
मिहिरतिमिरहरप्रभाकर विवस्वानतिगमांसु ॥ १४८ ॥
भानुबिभाकरबिभावसु सविताहूर्यपतंग।
अंबरमनिदिनमनिरवी हूरपुत्रत्रयअंग ॥ १४९ ॥
हूर्जमंडल। रविमंडलमंडनजोकोउ कहतमुनीजनजाहि।
सोवहनागरनन्दको क्योंबलिकपटीआहि ॥ १५० ॥
शिव नाम। गंगाधरहरशूलधर ससिधरशंकरवाम।
सर्वस्वरभवशंभुशिव रुद्रकामरिपुनाम ॥ १५१ ॥
शूलीत्र्यम्बकत्रिपुरअरि ईसउमापतिहोय।
जटिलपिनाकीपशुपती नीलकंठशिवसोय ॥ १५२ ॥
बामदेवसोदेवजेहि राखतहियमेंओहि।
ताकोठकपटीकहनि कहाकहौंबलितोहि ॥ १५३ ॥

झूठ नाम। मिथ्यामोघमृषाअनृत व्याजअलीकनिरस्य।
ऐसेपियसोंझूठबलि क्योंबोलियेबिरस्य ॥ १५४ ॥
निकट नाम। अनतिदूरअतिपार्श्वपुनि उपसमीपअभ्यास।
अवसिअनादरहोयजो रहैनिरन्तरपास ॥ १५५ ॥
चन्दन नाम। गंधसारश्रीखण्डहरि मलयभद्रबाटीर।
चन्दनकोईंधनकरत मलयावासीभीर ॥ १५६ ॥
मीन नाम। सफरीअनमिषमत्स्यपुनि पृथुलोमापाठीन।
मकरउलूपीअण्डभव वैसअवणझखमीन ॥ १५७ ॥
छीरसमुन्दरमेंबसत जोचन्दहिढिगआहि।
चंदहिनंदनमदनजिमि जलनिधिमाननताहि ॥ १५८ ॥
सागर नाम। सिंधुसलिलपतिसरितपति अंभोनिधिकूपार।
पारावारअर्णवउदधि मणिमयअब्धिअपार ॥ १५९ ॥
रत्नाकरगुणरूपको जलनिधिगिरिधरलाल।
नेहिमिलिप्रेमकलोलिये योंनबोलियेबाल ॥ १६० ॥
बलभद्र नाम। रौहिणेयबलभद्रबल संकर्षणबलराम।
नीलांबररेवतिरमण मूशलपाणिकराम ॥ १६१ ॥
अबरंचकजोचुपकरै कतबैठीजियलेत।
हरिहलधरकेवीरको जीतबड़ाईदेत ॥ १६२ ॥
बानर नाम। कपिशाखामृगबलीमुख कीसदरभलंगूर।
बानरमर्कटप्लवगहरि तिनकहँभजुमनकूर ॥ १६३ ॥
पृथ्वी नाम। पृथ्वीछितिक्षोणीक्षमा धरणीधात्रीगाय।
उर्वीजगतीवसुमती वसुधासर्वसहाय ॥ १६४ ॥
विपुलाभूसागरधरा उराउर्वराहोय।
अचलाअवनीकुम्भिनी महीमेदिनीसोय ॥ १६५ ॥

विश्वम्भरावसुंधरा थिराकश्यपीआहि ।
रसाअनन्ताभूमिका विलाइलाकहजाहि ॥ १६६ ॥
सबधरजेहिइकसीसपर शोभितजिमिकणवीर ।
क्योंआवततुअआखिनर हरिहलधरकेवीर ॥ १६७ ॥
बाण । तोमरखगअजिह्मगअसुग विशिखशिलीमुखबान ।
कणमार्गननाराचइषु पत्रीशोषनप्रान ॥ १६८ ॥
सायकघायकबालबलि सिमिटशरीरमिलाहिं ।
बचनतीरकीपीरसखि मिटैनजांजुगजाहिं ॥ १६९ ॥
अग्नि नाम । पावकवन्हीदहनदव ज्वलनधनंजयहोय ।
शुक्रऊषबुधवातुसख मित्रहोत्रशिखिसोय ॥ १७० ॥
जातवेदज्वलजोतिहरि वैश्वानरचित्रभानु ।
अनलकृशानविभावसु निर्जरजीभकृशानु ॥ १७१ ॥
बृहद्भानुआश्रयबहरि अहेवसन्तरजोय ।
बीतिहोत्रपुनिउषर्वधां धूमकेतुकहसोय ॥ १७२ ॥
अग्निदग्धद्रुमलतावलि फिरिदलफूलहिदेत ।
वचनदग्धजेहिआनही बहुरिनअंकुरलेत ॥ १७३ ॥
मूर्ख नाम मुग्धमूढ़जड़मूकनर अज्ञअबुधवदशंठ ।
मूरखजनजानैकहा मणिजैसेकपिकंठ ॥ १७४ ॥
पण्डित । कोर्तिकुशलकोविदनिपुण कृतिप्रवीननिष्णात ।
पटुविदग्धनागरकोउ जानैरसकीबात ॥ १७५ ॥
अपराध नाम । अघअंघसहेलनअहित अवगुणजोईपीय ।
कूपछांहजिमिराखिउर योंनभाषियेतीय ॥ १७६ ॥
स्नेह नाम । सौहृदहार्दसनेहहित प्रणयरागअनुराग ।
कितगोनेरोप्रेमवह हेभामिनिबड़भाग ॥ १७७ ॥

परवत नाम। अगनगभूभृतदरीभृत शृङ्गीशिखरीहोय।
शैलशिलोच्चयगोत्रहरि अद्रियावपुनिसोय ॥ १७८ ॥
गिरिगोवर्द्धनवामकर धर्योश्यामअभिराम।
तोउरतेंवाधकधकी गईनअवलौंवाम ॥ १७९ ॥
सर्प नाम। उरगनागपन्नगभुजग जिह्मगभोगीसर्प।
चक्षुश्रवाहरिसरीसृप काकोदरगरदर्प ॥ १८० ॥
आशीविषविषधरफणी मणीविलेशयव्याल।
चक्रीदर्पीगूढ़पद लेलिहकेवलकाल ॥ १८१ ॥
कालियअहिगंजनसमय मैंराखीगहिबांह।
नन्दनँदनपियप्रेमवस परीकृतीदहमांह ॥ १८२ ॥
पीड़ा नाम। बाधाबिथुराव्यथारुज पीड़ाव्याधिगलानि।
अजऊंनपरसतपीरबलि किनसिखईयहवानि ॥ १८३ ॥
बन नाम। काननविपिनअरण्यबन गहनकक्षकांतार।
अटवीमांहअकेलिदइ मोहननन्दकुमार ॥ १८४ ॥
संध्या नाम। निसिमुखसंध्यापित्रप्रसव सायंकालप्रदोष।
सांझपरौचलुएदई क्षमाकरहितजिरोष ॥ १८५ ॥
विष नाम। गरलहलाहलक्ष्वेड़गर कालकूटरसमास।
रसमेंबिरसनघोरिबलि चलियेबनकरुवास ॥ १८६ ॥
पपीहा नाम। कलसुकंठदात्यूहहरि चात्रिकसारँगनाउं।
घनसोंरूठेपपीहरा नहिनवनेबलिजाउं ॥ १८७ ॥
रजनी नाम। क्षनदाक्षपातमस्वनी तमीतमिस्राहोय।
निसिश्रीसदाविभावरी रात्रित्रिजामासोय ॥ १८८ ॥
सुखदसुहाईसरदकी कैसीरजनीजाति।
चलुवलिमोहनलालपै कतबैठीअनखाति ॥ १८९ ॥

नभ नाम। अंबरपुष्करविष्णुपद अन्तरिक्षनभवास।
व्योमअनन्तविहायसखि सरवर्त्मनआकास ॥ १९० ॥
गगनजोउड़गनबनिरहे नेकुचलोतजिरोष।
देखननेरोरूपजनु सुरतियकीन्हभरोष ॥ १९१ ॥
संग्राम नाम। आयोधनरणआजिमृध आहवजन्यसमीक।
समराईसंगरसमर संजुगकलहअनीक ॥ १९२ ॥
सुरतिजुद्धजवपीयसों तोहिबनेगीबाम।
नखनाराचनिसुनिकुंवरि तोकहँकहीप्रणाम ॥ १९३ ॥
नख नाम। करजपुनर्भवनखरनख रहेरंगनिधिबाम।
करक्तिनईसोंलिखतहैं नहिंनखसोंकछुकाम ॥ १९४ ॥
अल्प नाम। लेशअल्पलवस्वल्पतनु निपटउदरकृशतोर।
कछुबलिएतोमानरचि राख्योहैकिहिठौर ॥ १९५ ॥
मकरी नाम। लूताहूत्रामर्कटी ऊर्णनाभिपुनिहोय।
जनुकञ्जमकरीगुनकरी पकरीविश्वासोय ॥ १९६ ॥
मार्ग नाम। वर्त्महुअध्वामार्गपथ संचरपादविहार।
मगदेखततोपहँगई मोहननन्दकुमार ॥ १९७ ॥
दया नाम। मायादयाकृपाघृणा अनुकंपाअनुक्रोस।
करुणाकरिकरुणानिधे क्षमाकरहितजिरोस ॥ १९८ ॥
खड्ग नाम। रिसिककुसेयकृपानअसि विशसनपाकरबाल।
खड्गजितोनेतोकही खईकरतकतबाल ॥ १९९ ॥
दिशा नाम। हरितकाष्ठाककुभदिश गोआसाइहिओर।
कबकेचितवतहैदई मोहननन्दकिशोर ॥ २०० ॥
नदी नाम। सरिताध्वनीतरंगिनी ह्रदिनीतटिनीहोय।
स्रोतस्वनीस्रवन्तिनी धीरक्रोसवलिसोय ॥ २०१ ॥

सैवलिनीसारस्वती द्वीपवतीजलमाल।
नदीनिमग्नाआपगा रहितबाटचलुबाल ॥ २०२ ॥
पिता नाम। तातजनकहजितापिता वप्पातोगुणधाम।
बाबातोहिनँदलालकों देतहुतोहैभाम ॥ २०३ ॥
विवाह नाम। करपीड़नपाणिग्रहण उपयमविहितविवाह।
सांतिजपरिभवनहिंकहूं दुखदेतीवलिनाह ॥ २०४ ॥
मदिरा नाम। मधुमाध्वीमदिराइरा सुरावारुणीहोय।
आसवमयकादंवरी मधुवारामिविसोय ॥ २०५ ॥
सिंदुररसनाबुद्धिहा हालासिंधुप्रहृति।
मदपीवेजिमिवकतकोउ कहाबकिरहीदूति ॥ २०६ ॥
स्वभाव नाम। प्रकृतिनिसर्गस्वरूपपुनि संसिधिभावस्वभाव।
कौनटेवटेढ़ीपरी सुन्दरशीललखाव ॥ २०७ ॥
अंधकार। अंधतमिस्रकृतिमिरतम ध्वांतसुकुहरनिहार।
सोतेरेदेखेकुंवरि सौमनतेलअँधार ॥ २०८ ॥
वृक्ष नाम। पक्षीवर्हिफलीदली वृक्षमहीरुहहोय।
शाखीविटपीअनोकुह कुटद्रुमपादपसोय ॥ २०९ ॥
कल्पतरोरुहतल्परचि कवकेविलपतपीय।
तदपिननकदयाकहूं आवतनिरदयहीय ॥ २१० ॥
पत्र नाम। पत्रपरणदलछदनछद खरकतजवतरूपात।
तुअआगमभ्रमचौंकिपिय फूलोउतलौंजात ॥ २११ ॥
पवन नाम। श्वसनसदागतिअनिलपुनि मारुतअरुजगप्रान।
पवनप्रभंजनअग्निसख नभस्वानपरमान ॥ २१२ ॥
मरुतवातअरुगंधवह निःश्वासनपवमान।
वायूवहुरिसमीरकहि पवननामयेजान ॥ २१३ ॥

सुवतनपरिमलपरसिजब गवनतधीरसमीर ।
ताकहँबहुसनमानकरि परिरंभतबलबीर ॥ २१४ ॥
ध्वनि नाम । नादनिनदध्वनिशब्दरव स्वनसुघोषरुतराव ।
मुखरबासुरीमेंकहत हेप्राणेश्वरिआव ॥ २१५ ॥
आज्ञा नाम । बयादेशनिर्देशपुनि आज्ञाशासनयोग ।
आयसुदैअवजाउंबलि लहेसुप्रियतमलोग ॥ २१६ ॥
अति नाम । दृढ़अतिसयअतिबेलअति अतिक्रान्तअत्यन्त ।
अतिसर्वत्रभलीनहीं कहिगेसन्तअसन्त ॥ २१७ ॥
समूह नाम । निकरव्यूहसंदोहपुनि ब्रजस्तोमसमुदाय ।
चयदलजालकषालकुल निबहयूथसमवाय ॥ २१८ ॥
व्रातअनेककदंबगन ग्रामबिसरबहुवृन्द ।
मैंअनेकबातेंकही भईतवाकोबुन्द ॥ २१९ ॥
अल्प नाम । दरसतोषईषदविरल रंचकमन्दपवाकु ।
तबपियसहचरितनचितय मुसकीकुंअरितनाकु ॥२२०॥
दुख । कदनविदुनअकदनतुदा गहनवृजिनक्लेशआहि ।
दुखजनिदेअबजानदै कतबैठीअनखाहि ॥ २२१ ॥
अर्द्धरात्रि । निसिनिसिनिशिथनिशाहनिशि होनलगीअधरात
कौनचलैसखिसोयरहु जैहोंउठिपरभात ॥ २२२ ॥
बज्र । अशनिकुलिशपविभिदुरपुनि बज्रह्रादिनीआहिं ।
परोबरेकेधामजे बिरसकरेंरसमाहिं ॥ २२३ ॥
लज्जा नाम । ह्रीलज्जाव्रीड़ात्रपा सकुचनकरुविनुकाज ।
पियप्यारेपैचलियबलि औषधखातकिलाज ॥ २२४ ॥
जूता नाम । पदत्राणकोपानपुनि पादपृष्ठम्हदुभाय ।
पनहींमनहींभावती आगेधरीसुलाय ॥ २२५ ॥

अटारी नाम। सौधहर्म्यप्रासादतें चलीयुवतिगतिमन्द।
शोभितमुखजनुगगनतें अवनिहिउतरतचन्द ॥ २२६ ॥
हिमकरचांदनी। ज्योतस्नापुनिकौमदी हिमकरचांदनिनाउं
जौन्हचन्द्रिकासीपरत थोरोहँसिबलिजाउं ॥ २२७ ॥
वीथी नाम। खोरिप्रतोलीवीथिका रथ्याविशिखाआहि।
यहीगलीचलियेबली निपटनिकटपिउआहि ॥ २२८ ॥
उपवन नाम। कंतारण्यउद्यानपुनि उपवनसोइआराम।
इहवृन्दावनबागतुव लखुबलिकुबिकोधाम ॥ २२९ ॥
बसन्त नाम। कुसुमाकरऋतुराजमधु माधवसुरभिबसन्त।
मालीज्योंजुगवैसदा यातेंअधिकलसन्त ॥ २३० ॥
पक्षी नाम। द्विजशकुंतपक्षीशकुनि अंडजबिहगबिहंग।
खगसुपक्षीपत्ररथ पत्रीपतगपतंग ॥ २३१ ॥
नटतबिहंगमरँगभरे कोमलकंठसुजात।
तुअआगमआनन्दजनु फूलेअंगनमात ॥ २३२ ॥
पीपर नाम। चलदलपीपरगजअसन बोधिद्रुमअश्वत्थ।
पिप्पलदैचलुदाहिनो जोरिहाथधरिमत्थ ॥ २३३ ॥
पाटल नाम। थालीपटनीफलनुहा बामास्थामानाम।
अंबरस्थमधुतीयसै पाटलकरतप्रनाम ॥ २३४ ॥
आम्र नाम। पिकबंधुरकामांगपुनि मधूदूतसहकार।
चूतरसालकिडालबलि नैजुरहीफलभार ॥ २३५ ॥
मऊआ नाम। माधवमधुद्रुममधुस्रवा मधुष्ठीवगुड़फूल।
येजुमधुककेफूलबलि कहुतुअगड़नीतूल ॥ २३६ ॥
दाड़िम नाम। अस्तबीजहानीककर स्वकपीकद्रुमसार।
येदाड़िमद्रुमिदेखबलि कहुतुअदसनाकार ॥ ३२७ ॥

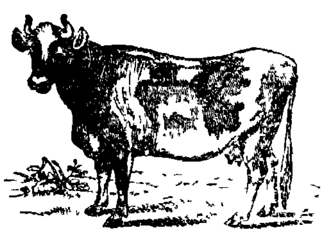
केरा नाम। रंभाअरुवारणवुसा भानुफलाघुकुमार।
येकदलीजिनकेकक्रू तजैजंघअनुहार ॥ २३८ ॥
बेल नाम। सुरभीसिलकोसदाफल बेलतालमालूर।
येश्रीफलतुअकुचनसम कहतबकतकबिक्रूर ॥ २३९ ॥
तमाल नाम। कालकंधतापिच्छपुनि कण्डुकसोईतमाल।
बैठिरहैजहँकान्हरह तुअसमोहनलाल ॥ २४० ॥
कदम्ब नाम। न्नत्यनोपप्रीअंकसोइ मदिरागंधसुवाह।
येकदम्बतरुकान्हचढ़ि कूदेहैंदहमाह ॥ २४१ ॥
टेसू नाम। पीतचोपपुनिब्रह्मद्रुम किंशुकबकरिपलास।
टेसूबिरहीजननको नाहरनखसुबिलास ॥ २४२ ॥
बहेरा। अक्षविभीतकफघातफल सुखत्रिलिंगकलिवृच्छ।
भूतावासबहेरतरु हैंजनिचलियमृगच्छ ॥ २४३ ॥
नारियर नाम। बानरमुखलंगूरफल नारिकेलिसुभकाम।
येतरुनीकेनारियर तोकहँकरतप्रनाम ॥ २४४ ॥
सुपारी नाम। घोंटाकुमुकगुआपुनि पूगसुपारीआहि।
बारबारइमिकहतबलि रंचकयहितनचाहि ॥ २४५ ॥
केमाच नाम। कोलबल्लिकाकपिलता विस्वअयसीनाउं।
कांडुकरतियेअंगमें काननकेबलिजाउं ॥ २४६ ॥
मिरिचलता। रिमिकाउखनाकोलका कृष्णफलापुनिनाउं।
मिरचलतापगपरिकहै भलीकरीबलिजाउं ॥ २४७ ॥
पीपर नाम। कोलाकृष्णामाधवी तिग्मतुपडलाहोय।
वैदेहीस्यामाकना सौण्डीकहियेसोय ॥ २४८ ॥
यहपीपरबलिपगगहत कहतबकतपरकार।
अबतेइतनीकरिकुंवरि प्रीतमप्राणअधार ॥ २४९ ॥

हरड़ा नाम। अभयापथ्याअव्यथा अमृताचेतकिहोय।
कायस्थापुनिपूतना सिवाश्रेयसीसोय ॥ २५० ॥
हरिड़ाबक्रुरिहरीतकी हरनउदरकोरोग।
तेतुअगिरधरलालके बालसकलसुखभोग ॥ २५१ ॥
द्राक्षा नाम। स्वाद्वीमृड़ासुकामधुक काममेखलाहोय।
गुड़ासुप्रबलागोस्तना चारुफलापुनिसोय ॥ २५२ ॥
यहकुद्राक्षलिपांतर रंचकएहितनचाहि।
नहिनगँसीलीबालसी निपटरसीलीआहि ॥ २५३ ॥
असुर नाम। दानवदनुजसुदैत्यपुनि सुररिपुअसुरअसन्त।
मायारूपीरैनदिन डोलतसूरअनन्त ॥ २५४ ॥
पावरी नाम। सुखीरानटोनखधवरि कपोतीन्द्रिपरबाल।
तुअअधरनसमकहतकवि येनहिंमृदुलरसाल ॥ २५५ ॥
केसर नाम। कश्मीरीकुंकुमरुधिर देवबल्लभानाउं।
यहकेसरपगपरिकहत भलीकरीबलिजाउं ॥ २५६ ॥
सोंठ नाम। विश्वानागरविश्वभिषक् महाऔषधीनाउं।
येसुंठीलुंठीपगन कहतकिबलिबलिजाउं ॥ २५७ ॥
जुही नाम। हरिनीगणिकायुत्थिका हेमपुष्पिकाजाय।
जुहीयूथिगूँथीनकबिन मागधिलेतबलाय ॥ २५८ ॥
राजबल्ली नाम। अंबश्रेष्ठब्रजबादनी राजबल्लिकाआहि।
तुमहिंदेखिफूलीजुबलि रंचकएहितनचाहि ॥ २५९ ॥
चमेली नाम। सुमनाजातीमल्लिका उत्तमगन्धाआस।
कछुतुवतनकीबासतें मिलतमालतीबास ॥ २६० ॥
सजीवनमूरि। जीवनमधुश्रममधुश्रवा जिवनजिवापुनिनाउं।
इतहिसजीवनमूरितें जीवन्तीबलिजाउं ॥ २६१ ॥

दुपहरिया। बंधुजीवबंधूकजब यावकसमपुनिआहि।
कुंकुमफलदुपहरिके नितफूलेतोहिचाहि ॥ २६२ ॥
गुंजा नाम। काकचिंचिकाकृष्णला गुंजाकरतप्रणाम।
सुखद्श्यामकविधामको लेतश्याममुखनाम ॥ २६३ ॥
केतकी नाम। क्रकचच्छदअरुत्रिणद्रुमा केतकिपकरतपाय।
तुवआगमआनन्दबलि फूलीअंगनमाय ॥ २६४ ॥
लवंग नाम। देवकुसुमसंओगपुनि जाचकजाकोनाउं।
ललितलवङ्गलताइतहि पगनपरतबलिजाउं ॥ २६५ ॥
इलायची नाम। चन्द्रबालकानोकपुनि निकुटबालिकाबेलि।
एलाबहुलालायची बलिरंचकमुखमेलि ॥ २६६ ॥
माधवी नाम। बासंतीपुष्पाङ्कसोइ मुक्तलतापुनिनाउं।
इतमाधविकापरतपग नेकुचितैबलिजाउं ॥ २६७ ॥
पान नाम। तांबलंअहिबल्लिका द्विजापानकीबेल।
सरसभईतुवदरसतें बलिरंचकमुखमेल ॥ २६८ ॥
वट नाम। जटिलप-ीरक्तपालबट रक्तफलान्यग्रोध।
यहबंसीबटदेखुबलि सबसुखनिरूपधबोध ॥ २६९ ॥
सरोवर नाम। ह्रदपुष्करकासारसर सरसीतालतड़ाग।
यहदेखोबलिमानसर फूल्योतुवअनुराग ॥ २७० ॥
यमुना नाम। कलिन्दीरविजाबहुरि कृष्णाश्यामलआप।
यहयमुनासोसमुद्रफिरि आवततुवपरताप ॥ २७१ ॥
तरङ्ग नाम। भंगतरंगकलोलपुनि बीचीउरमिसुभाय।
लहरीहाथपसारिजनु यमुनापकरतिपाय ॥ २७२ ॥
तट नाम। कूलपुलिनउपकंटतट रोधघोषअभ्यास।
तीरप्रतीरहिजाउबलि येआयेपियपास ॥ २७३ ॥

बेंत नाम। बेंतकरीबिडीकरिब भूपखियारानीर।
मंजुलबंजुलकुंजतर बैठेहैंबलबीर ॥ २७४ ॥
कोकिल। परभृतकलरवरक्तदृग पिकध्वनिहरसपुञ्ज।
जनपियअनहिततोहिलखि टेरतबलिबलिकुञ्ज ॥ २७५ ॥
इन्द्री नाम। गोहृषीकअंकरणगण ज्योंइन्द्रीअसुपाय।
त्योंराधामाधवमिले परमप्रेमहरषाय ॥ २७६ ॥
माला नाम। मालास्रकस्रजगुणवती माल्यनामकीदाम।
जोनरयहकंठहिरखै ह्वैहैकविकोधाम ॥ २७७ ॥
जुगल नाम। यमलयुगलयुगद्वंद्वै उभयमिथुनप्रियपीय।
जुगलकिशोरसदाबसो नन्ददासकेहीय ॥ २७८ ॥

इति श्रीकवि नन्ददासजी कृत
नाममाला समाप्तम्
शुभमस्तु ॥
संबत १९४८।



इस समय हमारे यहां निम्न लिखित पुस्तकें तयार हैं ।

प्रेमतरंग । श्रीबाबू हरिश्चन्द्र रचित ठुमरी, भजन, होली, मलार गजल, लावनी, सब ऋतुओं में आनन्ददायक दाम ।) आ०

रसबरसात । वर्षा ऋतु में गाने योग्य ठुमरी, गजल, मलार, हिंडोला, कजली आदि का संग्रह दाम ॐ) आना ।

नई बहार । बहार, बसन्त, होली तथा चैती इत्यादि बसंतपंचमी से चैत तक के गाने की सब तरह की चीजें दाम ।) आ०

चुरिहारिनलीला । चुरिहारी के गाने की लावनी और दोहा चौपाई में लीला दाम ﴿) आना ।

चमनिस्तानेहमेशःबहार प्रथम भाग । इसमें छापेखाने के मालिक अमीर सिंह ने वह गजलें रक्खी हैं जिनको लोगों ने गानेवालों से सुना है और याद करने की इच्छा है अब इसके जरिये से बखूबी याद कर लें दाम ।) आना ।

चमनि० २ भाग । इसमें ठीक पहिले हिस्से के जोड़ तोड़ की और पुरमजमून आशिकों के देखने लायक गजलें हैं दाम ।﴿) आना ।

चमनि० ३ भाग । इसमें सिर्फ दीवान सफ़दर जो मशहूर है उसमें से अच्छी २ गजलें करीब १०० के छपी हैं दाम ।) आना ।

चमनि० ४ भाग । इसको हरएक लिखने पढ़नेवालों को अपने पास रखना चाहिये इसमें २५० शेरें और २०० दोहे सोरठा, बरवा, कवित्त, सवैया, श्लोक जो चिट्ठी लिखने के समय काम में आवें अति उत्तम रीति से रक्खे गये हैं दाम ।) आना महसूल हरएक हिस्से का)॥

इन्द्रसभा अमानत। यह पुस्तक प्रायः सभी छापेखानोंमें छपी है परन्तु प्रत्येक छापे का पाठ भंड का भंड है अब यह अत्यन्त शुद्धता पूर्वक छापी गई है दाम /) आना।

रस बनारस। बनारस की तारीफ की लावनी बहुत उत्तम रीति पर बनी है दाम)॥ आध आना।

गुलदस्तेबेनजीर। खमसे तथा गजलों का उत्तम संग्रह दाम ।)

रसलहरी। दो भाग में, हर मौसिम में गाने के पद लावनी, ठुमरी आदि दाम ।) आना।

फूलों का गुच्छा। (लावनी) श्रीहरिश्चन्द्र रचित दाम -)॥

प्रेमफुलवारी। श्रीहरिश्चन्द्र रचित वियोग, करुणा, प्रेम, शृङ्गार, विनय आदि सब रसों के उत्तमोत्तम पद दाम ।) आना।

मन की लहर। पण्डित प्रतापनारायण मिश्र रचित इश्क की लावनी, संस्कृत, फारसी विशेषतः उर्दू भाषा में दाम /)

वणिकबंधु। एक वणिक का अपने पुत्र के प्रति वाणिज्य का उपदेश दाम /) आना।

गोचिकित्सा। गौओं के बीमारी की दवा दाम)॥ आध आना।

ऊपर लिखी पुस्तकें जो लोग मँगावें)॥ आध आना हर एक का डाक महसूल दाम के साथही भेज दें और हमारे पास नाटक, उपन्यास, काव्य आदि अनेक प्रकार की पुस्तकें बिक्री के लिये हैं जिनकी इच्छा मँगाने की हो मँगा लें॥